

# **O.P. Gupta Jee—A symbol of Unity and Tolerance**

## **(On the Occasion of 101st Birthday)**

A leader who changed the life of lakhs of workers through his foresightness, uniquely and based on the committed ideology of upliftment of the social and economical status of downtrodden people of the nation.

He was Com. Om Prakash Gupta, who born on 8-4-2022, in a big family with two sisters and five brothers to the parents Sri Ram Lal and Smt. Sona Devi. We absorbed his birth centenary year from 8-04-2021 to 8-04-2022 throughout the country and celebrated the 100th birthday at Now Delhi. Almost all circles in BSNL celebrated his 100th birthday thought out the country.

What is the background of the popularity of the unparallel and worthy leader. Com. O.P. Gupta entered in the P&T working class movement at the age of 24 years. Under the intolerance of Dada Ghosh and other trade union leaders. When he initiated organizing the workers in P&T department, he felt resistance of several groups. It was the scenario of pre-independence and post-independence too. But making all the efforts for total unity among P&T workers, ultimately Com. O.P. Gupta Jee succeeded to form the National Federation of P&T employees on 24th November 1954.

Since the formation of one umbrella organization NFTE, he always moved forward with the issues of the workers and achieved a lot for them, some glaring examples of the important achievements are noted below -

1. Pay commission.
2. D.A. payment to neutralize price rise.
3. Time bound promotion OTBP/BCR/Grade IV promotion for all P&T workers.

After bifurcation of P&T dept. he shifted as a Secretary General of NFTE and lead the Telecom workers. Here he took up the issue of regularization of more than one lakh casual labours. He drafted a new system of Temporary Status Majdoors (TSM).

In 90s he arranged restructuring and through this thousands of employees of each cadre got career progression like TM, TTA, Sr. TOA and JTO and lastly at the time of Corporatizations of DOT, DTO and DTS. He kept his foot like "Angad" and settled the issue of Government pension for the employees transferred in BSNL from DOT. Thus the achievement of com.O.P.Gupta Jee is countless and even after his demise, we the followers of com.O.P Gupta Jee adopted his line of unification, unity and tolerance and after getting the recognition in 2013 after 10 years continuous remaining as non- recognised union.He was so visionary that he proposed "Replacement Scheme" be introduced in BSNL instead of "VRS".

The NFTE under the shadow of Com. O.P. Gupta Jee achieved the 9.4% wage loss due to wage settlement on 68.8% IDA from 01.01.2007.

Restoration of 60:40 ratio of pension as full pension from the government. PLI(bonus) for the year 2014-15, (Rs. 3500/- to all the employees), change of designation of all non-executive cadres in BSNL. Still we are marching ahead for settlement of 3rd wage revision. New promotion, policy, compassionate appointment, Promotion through LICE, Rule 8/9 transfer and other issues. On the eve of the 101st birthday of our role model leader Com. O.P Gupta Jee we stand with our commitment to fight to remove the sufferings of the workers. He was telling "This Megha BSNL Provide Food to our families, lights in our huts, dignity in society. So protect BSNL is our Responsibility".

**NFTE Zindabad - Workers Unity Zindabad**  
**Long Live Com.O.P.Gupta Jee**

# ओ०पी० गुप्ता जी—एकता एवं सहिष्णुता के प्रतीक (101 वें जन्म दिवस पर)

एक ऐसा नेता जो अपने दूरदर्शिता, विलक्षण प्रतिभा एवं समर्पित विचारधारा से संकल्पित होकर लाखों कर्मचारियों की जिंदगी को परिवर्तित कर दिया।

ऐसे का. ओम प्रकाश गुप्ता जी, जिनका जन्म 8 अप्रैल 1922 को हुआ। उनके जन्म का शताब्दी वर्ष पूरे धूमधाम से बी.एस.एन.एल., डाक विभाग एवं आर.एम.एम के कर्मचारियों ने 8 अप्रैल 2021 से 8 अप्रैल 2022 तक पूरे देश में धूमधाम से मनाया। एन.एफ.टी.ई के केन्द्रीय नेतृत्व के पहल पर दिल्ली में भी शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें माननीय श्री एस.डी.सक्सेना, पूर्व निदेशक वित्त, बी.एस.एन.एल., का. ओ.पी. गुप्ता जी ने दोनों पुत्र, पुत्रवधू एवं पौत्र, पौत्री ने समारोह में भाग लेकर अपने का. गुप्ता जी के साथ बिताये गये यादगार को साझा किया। एन.एफ.टी.ई के सभी सर्किल मंत्री इस समारोह में भाग लिये।

उक्त असमानांतर एवं विलक्षण प्रतिभा के धनी नेता के असीम लोकप्रियता की पृष्ठभूमि के संबंध में सक्षिप्त वितरण यह है कि का.ओ.पी. गुप्ता दादा घोष एवं अन्य श्रमिक संगठन के नेताओं से प्रभावित होकर 24 वर्ष की आयु में डाक-तार कर्मचारी श्रम आंदोलन में शरीक हुए। जब वे मजदूरों, कर्मचारियों को संगठित करने के अभियान पर आगे बढ़े तो उन्हें बहुत ही रुकावटों का सामना करना पड़ा। जाति, धर्म, क्षेत्रियता एवं कैडरवाद के शिकंजे में फंसे अनेकों छोटे-छोटे समूह संपूर्ण एकता में बाधक बन रहे थे। यह आजादी के पूर्व एवं आजादी के बाद तक की स्थिति रही। परंतु पक्के इरादा के धनी का. ओ.पी. गुप्ता, जो बाधाओं को चिरते हुए आगे बढ़ने का हौसला रखते थे, ने सभी संकटों को दरकिनार करते हुए डाक-तार कर्मचारियों के लिए एक विशाल संगठन “नेशनल फेडरेशन ऑफ पोस्ट एंड टेलीग्राफ्स इम्प्लॉईज” की स्थापना दिनांक 24.11.1954 को करने में सफल हुए। यह महासंगठन डाकतार विभाग में संचालित सभी गुप्तों को मिलाकर बनाई गई। इस पुनित कार्य में तत्कालीन संचार मंत्री बाबु जगजीवन राम की भूमिका अविस्मरणीय है।

इस संगठन के स्थापित होने के बाद का. ओ.पी. गुप्ता कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अनवरत आगे बढ़ते हुये केन्द्रीय कर्मचारियों, खासकर डाकतार कर्मचारियों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की, जैसे— (1) वेतन आयोग का गठन। (2) बढ़ती महंगाई की शुन्यीकरण हेतु महंगाई भत्ते की भुगतान। (3) डाकतार कर्मचारियों के लिए समयबद्ध पदोन्नति।

सन् 1986 में डाकतार विभाग के विभाजन के उपरान्त वे एन.एफ.टी.ई के सेक्रेटरी जनरल के पद पर निर्वाचित हुये और दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों का नेतृत्व संभाला। उन्होंने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए एक नये नीति का प्रतिपादन किया, जिससे लाखों दैनिक मजदूर को टेम्परेरी स्टेटस मजदूर बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। फिर ये सभी कर्मचारी नियमित सेवा में ले लिये गये। स्टेटस 1990 के दशक में उन्होंने संवर्गों का पुनर्गठन का एक नीति तैयार कराया जिसके द्वारा हजारों कर्मचारियों को लाभ मिला। कर्मचारी विभिन्न संवर्गों में काम करते हुए एक परिवर्तित संवर्ग टी.एम, टी.टी.ए, सीनियर टी.ओ.ए और जे.टी.ओ जैसे पदों पर बहुत ही आसानी से पहुंचा दिया। सबसे अहम बात तो ये है कि दूरसंचार विभाग से निगम में स्थानान्तरित होने वाले कर्मचारियों के लिये सरकारी पेंशन, नौकरी की गारंटी, बनने वाले निगम की आर्थिक जीवन्तता रखने की गारंटी लेने के बाद ही सरकार को कार्पोरेशन बनाने की दिशा में आगे बढ़ने दिया। इस प्रकार का.ओ.पी. गुप्ता जी ने अपने कार्यकाल में अनगिनत उपलब्धियां कराई है।

हम का.ओ.पी. गुप्ता जी के अनुयायी हैं और उनके द्वारा प्रतिपादित एकीकरण, एकता एवं सहिष्णुता के नीतियों पर चलते हैं। लगातार दस वर्षों तक गैर मान्यता प्राप्त संगठन के रूप में रहने के बाद अप्रैल 2013 में जब एन.एफ.टी.ई संगठन को मान्यता प्राप्त संगठन का दर्जा मिला तो गुप्ता जी के नीतियों का पालन करते हुये हमने 9.4% वेतन की क्षति जो 01.01.2007 से 68.8% आईडीए को समाहित करके वेतन का निर्धारण करने से हुई थी उसका अंतर 9.4% का लाभ सभी कर्मचारियों को दिलवाया। सरकारी कोष से पेंशन के भुगतान में 60:40 के अनुपात का जो सरकार ने निर्गत किया था उसे निरस्त कराते हुए पूर्ण सरकारी पेंशन की गारंटी कराई। वर्ष 2014-2015 के लिए सभी कर्मचारियों को 3500/- रुपये का बोनस के रूप में भुगतान कराये। सभी कर्मचारियों के सवर्गों का नया नामकरण कराये।

अभी भी हम लोग तीसरा वेतन पुनर्रीक्षण, नई पदोन्नति नीति, अनुकम्पा आधारित नौकरी, प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं द्वारा पदोन्नति सहित रूल 8/9 के अतर्गत स्थानांतरण की सुविधा बहाल करने के साथ-साथ कर्मचारियों के सभी मुद्दों का निराकरण हेतु संघर्षरत हैं

हम का.ओ.पी. गुप्ता जी के 101वें जन्म दिवस के पूर्व संध्या पर अपने आदर्श नेता के कदम चिन्हों पर चलते हुए हमारा वादा है कि हम कर्मचारियों की समस्त कठिनाईयों के लिए इमानदार संघर्ष करते रहेंगे।

**एन.एफ.टी.ई जिन्दाबाद, कर्मचारी एकता जिन्दाबाद**

**का.ओ.पी गुप्ता जी अमर रहे।**